RNI Title-Code :- RAJBIL27027

www.nagaurdaily.com

Email. nagaurdaily0@gmail.com

नागौर डेली न्यूज

नागौर, कुचामनसिटी, डीडवाना, मकराना, परबतसर, जायल
मेड़तासिटी, खींवसर, डेगाना व नावां से एक साथ प्रकाशित

अहसास बदलाव का...

वर्ष: 1 | अंक 151 | नागौर, 01 मई, 2022 (रविवार) | मूल्य 5 रुपया | पृष्ठ 4 | E-Edition

जनरल मनोज पांडे नए आर्मी चीफ बने

नई दिल्ली।

जनरल मनोज पांडे ने शनिवार को भारत के 29वें आर्मी चीफ के रूप में पदभार संभाला। जनरल एमएम नरवणे ने बैटन सौंपकर उन्हें आर्मी चीफ की कुर्सी पर बैठाया। ऐसा पहली बार है कि जब सेना की इंजीनियरिंग कोर का कोई अधिकारी आर्मी चीफ बना है। इससे पहले, इन्फैंट्री, आर्मर्ड और आर्टिलरी अधिकारी ही आर्मी चीफ बनते रहे हैं।

चीन बॉर्डर पर काम करने पर एक्सपीरिएंस : जनरल मनोज पांडे चीन से सटे ईस्टर्न कमांड में कमांडर और ब्रिगेडियर स्टाफ के पद पर काम कर चुके हैं। वे लद्दाख इलाके के माउंटेन डिवीजन में इंजीनियर ब्रिगेड के पद पर तैनात रह चुके हैं। वहीं नॉर्थ-ईस्ट रीजन में भी लेफ्टिनेंट जनरल रहते कई ऑपरेशन में भाग ले चुके हैं। इसके अलावा, वे अंडमान-निकोबार में बतौर कमांडर भी काम कर चुके हैं। जनरल पांडे परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित हो चुके हैं। जनरल मनोज पांडे के पिता डॉ. सीजी पांडे एक नामचीन मनोचिकित्सक हैं। वो कई साल तक नागपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में हेड के रूप में कार्यरत रहे। उनकी माता प्रेमा पांडे ऑल इंडिया रेडियो में अनाउंसर थीं। जनरल की माता जी अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा पेश किया जाने वाले बेला के फूल कार्यक्रम आज भी लोग याद करते हैं।

ऑपरेशन पराक्रम को कर चुके हैं लीड

नेशनल डिफेंस एकेडमी के 1982 बैच से पासआउट मनोज पांडे इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से आने वाले पहले आर्मी चीफ हैं। पांडे ने जम्मू-कश्मीर के एलओसी पल्लनवाला में चलाए गए ऑपरेशन पराक्रम को लीड किया है। यह ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर में 2001 में संसद हमले के बाद चलाया गया था, जिसमें आतंकियों के हथियार सप्लाई के नेक्सस का खुलासा किया गया था।

कोर्ट में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने की जरूरत : मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विज्ञान भवन में राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के संयुक्त सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की ये संयुक्त सम्मेलन हमारी संवैधानिक खूबसूरती का सजीव चित्रण है। मुझे खुशी है कि इस अवसर पर मुझे भी आप सभी के बीच कुछ पल बिताने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में जहां एक ओर ज्यूडिशरी की भूमिका का संविधान संरक्षक की है वहीं विधान मंडल नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। मुझे विश्वास है कि संविधान की इन दो धाराओं का ये संगम, ये संतुलन देश में प्रभावी और समयबद्ध न्याय व्यवस्था का रोडमैप तैयार करेगा। प्रधानमंत्री मोदी कहा कि 2047 में जब देश अपनी आज़ादी के 100 साल पूरे करेगा, तब हम देश में कैसी न्याय व्यवस्था देखना चाहेंगे? हम किस तरह अपने न्याय व्यवस्था को इतना समर्थ बनाएं कि वो 2047 के भारत की आकांक्षाओं को पूरा कर सके, उन पर खरा उतर सके, ये प्रश्न आज हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी न्याय व्यवस्था और तकनीक की संभावनाओं को डिजिटल इंडिया मिशन का एक जरूरी हिस्सा मानती है। उदाहरण के तौर पर, ई-कोर्ट प्रोटेक्ट को आज मिशन मोड में लागू किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ साल पहले डिजिटल ट्रांजेक्शन को हमारे देश के लिए असंभव माना जाता था। आज छोटे कस्बों यहां तक गांवों में भी डिजिटल ट्रांजेक्शन आम बात होने लगी है। पूरे विश्व में पिछले साल जितने डिजिटल ट्रांजेक्शन हुए, उसमें से 40 प्रतिशत डिजिटल ट्रांजेक्शन भारत में हुए हैं। उन्होंने कहा कि आजकल कई देशों में लॉ यूनिवर्सिटीज में ब्लॉक चेन, इलेक्ट्रानिक डिस्कवरी, साइबर सिक्योरिटी, रोबोटिक्स, एआई और बॉयोएथिक्स जैसे विषय पढ़ाये जा रहे हैं। हमारे देश में भी लीगल एजुकेशन इन इंटरनेशनल स्ट्रैंडर्ड के मुताबिक हो, ये हमारी ज़िम्मेदारी है।

इसी बीच प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे देश में आज भी हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की सारी कार्यवाही अंग्रेजी में होती है। एक बड़ी आबादी को न्यायिक प्रक्रिया से लेकर फैसलों तक को समझना मुश्किल होता है, हमें व्यवस्था को आम जनता के लिए सरल बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमें कोर्ट में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। इससे देश के सामान्य नागरिकों का न्याय प्रणाली में भरोसा बढ़ेगा, वो उससे जुड़ा हुआ महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि एक गंभीर विषय आम आदमी के लिए कानून की पेंचीदगियों का भी है। 2015 में हमने करीब 1800 ऐसे क़ानूनों को चिन्हित किया था जो अप्रासंगिक हो चुके थे।

ज्यूडिशियरी की भूमिका संविधान संरक्षक की

प्रधानमंत्री ने कहा आजादी के इन 75 सालों ने ज्यूडिशियरी और एग्जक्यूटिव, दोनों के ही रोल्स और रिसपॉन्सिबलिटी को निरंतर स्पष्ट किया है। जब भी जरूरी हुआ, देश को दिशा देने के लिए ये संबंध लगातार विकसित हुआ है। हम देश में जजों की संख्या को पूरा करने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। हमारे देश में जहां एक ओर ज्यूडिशियरी की भूमिका संविधान संरक्षक की है, वहीं लेजिस्लेचर नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है।

कोर्ट की अपेक्षित गरिमा और आभा होनी चाहिए : एनवी रमना

इससे पहले सीजेआई एनवी रमना ने कहा- न्याय का मंदिर होने के नाते अदालत को लोगों का स्वागत करना चाहिए, कोर्ट की अपेक्षित गरिमा और आभा होनी चाहिए। पब्लिक इंटरेस्ट याचिका अब पर्सनल इंटरेस्ट के लिए इस्तेमाल हो रही हैं। यह अफसरों को धमकाने का जरिया बन गई हैं। पीआईएल राजनीतिक और कॉर्पोरेट विरोधियों के खिलाफ एक टूल बन गया है। इस कॉन्फ्रेंस में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस, केंद्रीय कानून मंत्री और सभी 25 हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस भी मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में हुआ। इससे पहले यह कार्यक्रम 2016 में हुआ था।

सरकार और ज्यूडिशियरी के बीच बातचीत का यह एक अनूठा मौका : किरण रिजूजू

कार्यक्रम की शुरुआत में केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजूजू ने कहा- यह कार्यक्रम सरकार और ज्यूडिशियरी के बीच ईमानदार और कंस्ट्रक्टिव बातचीत का यह एक अनूठा मौका है। इससे लोगों को ठोस न्याय दिलाने में मदद मिलेगी।

राजस्थान मे फिर डराने लगा कोरोना

जयपुर में कोरोना के 50 नये केस आये

जयपुर।

राजधानी जयपुर में शनिवार को कोरोना के 50 नए केस मिले है, हालांकि शुक्रवार की तुलना में शनिवार को केस कम है। जिले में शनिवार को एरिया वाइज स्थिति देखे तो 20 इलाकों में ये पॉजिटिव केस मिले है, जिसमें सबसे ज्यादा मानसरोवर एरिया में है। कोरोना के लगातार बढ़ते केसों से एक्टिव मरीजों की संख्या भी 266 के करीब पहुंच गई। कोरोना के बढ़ने के साथ ही अब लोगों में छोटे बच्चों को लेकर डर बढ़ गया है। जयपुर सीएमएचओ से मिली रिपोर्ट के मुताबिक मानसरोवर में 12 केस मिले है। इसके अलावा सी-स्कीम, जगतपुरा में 5-5, सांगानेर, मालवीय नगर में 4-4, अजमेर रोड, झोटवाड़ा, महेश नगर, सोडाला में 2-2 और त्रिपोलिया बाजार, वैशाली नगर, रेलवे स्टेशन, प्रताप नगर, फागी, बनीपार्क, दुर्गापुरा, गोपालपुरा समेत अन्य दूसरी जगहों पर एक-एक केस मिला है। अप्रैल में ये लगातार दूसरा दिन है जब कोरोना के 50 या उससे ज्यादा केस मिले है। इससे पहले शुक्रवार को 68 नये मरीज मिले थे। इन नये मरीजों के मिलने के बाद अब जिले में एक्टिव मरीजों की संख्या 266 के करीब पहुंच गई।

61 फीसदी बच्चों को लग चुकी है पहली डोज : राजस्थान में 12 से 14 साल तक की एजग्रुप के करीब 29.87 लाख बच्चे है, जिनका वैक्सीनेशन किया जा रहा है। इनमें से 61 फीसदी बच्चों को वैक्सीन की पहली डोज लगाई जा चुकी है, जबकि 15 फीसदी ऐसे भी बच्चे है, जिनको वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी है। हालांकि राहत की बात ये है कि 15 से 18 साल की एजग्रुप के करीब 71 फीसदी बच्चों का वैक्सीनेशन हो चुका है, जिनकी संख्या लगभग 24.45 लाख से अधिक है।

बच्चों को लेकर ज्यादा डर

राजस्थान में पिछले 10 दिन की रिपोर्ट देखे तो सबसे ज्यादा मरीज जयपुर में ही मिल रहे है। यहां मिलने वाले मरीजों में करीब 8-10 फीसदी छोटे बच्चे है, जो 20 साल तक की एजग्रुप के है। जयपुर के सरकारी हॉस्पिटल जेके लोन और प्राइवेट हॉस्पिटलों में 2 से लेकर 14 साल तक के बच्चों में इन दिनों तेज बुखार, उल्टी दस्त के केस ज्यादा आ रहे है। जेके लोन के डॉक्टर्स की माने तो जितने भी बच्चे ओपीडी में दिखाने आ रहे है, उनमें 50 फीसदी बच्चे इन्ही बीमारी से ग्रसित है। ऐसे में इन बच्चों की कोरोना की जांच भी करवाई जा रही है।

भारत में 3,688 नए कोरोना संक्रमित मामले सामने आये, 50 मरीजों की मौत

नई दिल्ली।

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 3,688 नए मामले सामने आने से देश में कोरोना वायरस से अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,30,75,864 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में संक्रमण से 50 और मरीजों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 5,23,803 हो गई है। वहीं, देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 18,684 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.04 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 883 की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं, मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.74 प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर 0.74 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 0.66 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,25,33,377 मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है।

प्रदेश के 9 शहरों का पारा 45 पार

बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर सहित 8 जिलों में 2-3 मई को होगी बारिश

जयपुर।

राजस्थान में अप्रैल महीने के आखिरी दिन भी गर्मी के तेवर तेज रहे। राज्य के 9 शहरों में शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज हुआ। धौलपुर में लगातार तीसरे दिन पारा 46 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रिकॉर्ड हुआ। दिन ही नहीं रात में भी तेज गर्मी पड़ने लगी है।

फलौदी में बीती रात न्यूनतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर रहा। वहीं, रेगिस्तानी इलाके बाड़मेर में बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग की मानें तो 2-3 मई को मौसम में बदलाव हो सकता है। यहां पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पश्चिमी (बीकानेर, चूरू, नागौर, जैसलमेर और जोधपुर) और उत्तरी राजस्थान (गंगानगर, हनुमानगढ़ और झुंझुनू) के कुछ भागों में आंधी और बारिश होने के भी प्रबल आसार हैं।

जयपुर मौसम केन्द्र से जारी रिपोर्ट देखें तो शनिवार को सबसे गर्म इलाका धौलपुर रहा। यहां दिन का अधिकतम तापमान 46.3 डिग्री सेल्सियस रहा। धौलपुर के अलावा आज गंगानगर में भी पारा 46 डिग्री सेल्सियस रहा। पिलानी, बाड़मेर, जैसलमेर, फलौदी, बीकानेर, चूरू और हनुमानगढ़ में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। पिलानी, बाड़मेर, जैसलमेर, फलौदी, बीकानेर, चूरू, गंगानगर में दिन में तेज गर्म हवाएं भी चलीं। जैसलमेर में अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछले 11 साल में जैसलमेर का दूसरा सबसे गर्म दिन रहा। इससे पहले यहां 30 अप्रैल 2018 को तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था। राजस्थान में अब कुछ शहरों में रात में भी दिन जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है। फलौदी, सिरोही, जालौर, बांसवाड़ा, जोधपुर और कोटा में रात का न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

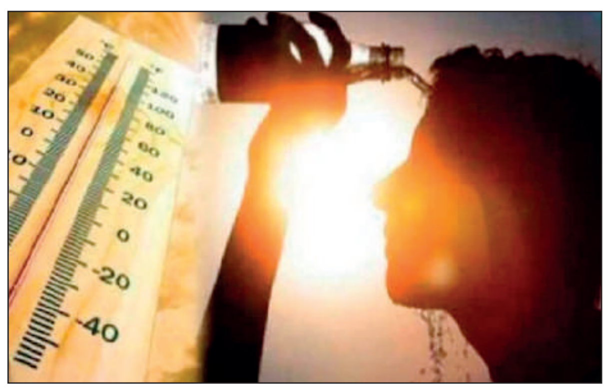

बाड़मेर में बदला मौसम

बाड़मेर, जालौर और जोधपुर के कुछ एरिया में शनिवार को दोपहर बाद मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिला। बाड़मेर में दोपहर 3 बजे बाद आसमान में धूलभरी आंधी चलने लगी और बादल छा गए। इससे कुछ एरिया में हल्की बूंदाबांदी भी हुई, जिससे तापमान गिरा और लोगों को गर्मी से मामूली राहत भी मिली।

सम्पादकीय

अमन का रास्ता

भारत और पाकिस्तान के बीच अमन बहाली को लेकर बातचीत का सिलसिला लंबे समय से रुका हुआ है। भारत ने नीति-सी बना ली है कि जब तक पाक समर्थित आतंकवाद पर लगाम नहीं लगती, तब तक पाकिस्तान से बातचीत का सिलसिला शुरू नहीं होगा। यह बात अनेक मौकों पर दुहराई जा चुकी है। एक बार फिर विदेश मंत्रालय ने इसे जोर देकर रेखांकित किया। उधर, पाकिस्तान की रट रहती है कि जब तक कश्मीर का मसला हल नहीं हो जाता, तब तक बातचीत नहीं हो सकती। इस तरह दोनों देशों के बीच वर्षों से अमन का रास्ता तलाशने के जो प्रयास चल रहे थे, वे अब ठहर गए हैं।

पाकिस्तान की तरफ से न सिर्फ घुसपैठ कराने की कोशिशें जारी हैं, बल्कि सीमा पर संघर्ष विराम को लेकर हुए समझौते का सैकड़ों बार उल्लंघन कर चुका है। जबसे कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म हुआ है, उसकी तल्खी बढ़ गई है और वह दहशत फैलाने के मौके तलाशता रहता है। पुलवामा के बाद भी कई बड़े आतंकी हमलों में उसके हाथ देखे गए हैं। इस तरह हमारे सैकड़ों जवान मारे जा चुके हैं। ऐसे में उसके साथ शांति के लिए बातचीत का कोई बिंदु नहीं बनता।

पाकिस्तान के नए निजाम ने सत्ता की कमान संभालते ही घोषणा कर दी कि वह कश्मीर मसले को नहीं छोड़ने वाला। जबकि उसे पता है कि भारत कश्मीर को अपना अंदरूनी मामला मानता है और अंतरराष्ट्रीय बिरादरी भी इसे स्वीकार करती है। फिर भी उसने कश्मीर की रट लगा रखी है, तो इससे यही जाहिर होता है कि वह भारत के साथ रार खत्म करने और अमन बहाली को तैयार नहीं है। ऐसे में बातचीत का सिलसिला बने भी तो कैसे। भारत ने अनेक मौकों पर पाकिस्तान को सबूत के साथ बताया है कि उसकी सरजमीं पर आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर चल रहे हैं और वहीं से भारत में दहशत फैलाने वाली साजिशें रची जाती हैं।

मगर वह जानबूझ कर उन दस्तावेजों को सिरे से खारिज करता रहा है। अगर उसे जरा भी भारत से संबंध मधुर बनाने की इच्छा होती, तो वह इस कदर अड़ियल रुख न अपनाता। हालांकि उसकी सरजमीं पर चल रही आतंकवादी गतिविधियों से केवल भारत की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती नहीं मिलती, बल्कि वहां के लोगों को भी खमियाजा भुगतना पड़ता है। मगर दुनिया को दिखाने के लिए दहशतगर्दों पर नकेल कसने का नाटक करता और फिर उन्हें सरकारी संरक्षण में खुलेआम घूमने देता है।

पाकिस्तान इन दिनों अपनी बदहाली के चरम पर है। कई देशों ने उसे आर्थिक मदद देनी बंद कर रखी है। भारत के साथ उसके व्यापारिक रिश्ते खत्म हैं। इसी तरह चीन से नजदीकी बनाने के लोभ में उसने अमेरिका आदि देशों की मदद खो दी है। वहां के लोग गरीबी और बदहाली में जीने को विवश हैं। मगर वह दहशतगर्दी के सहारे भारत से उलझे रहने में ही जैसे अपना मुस्तकबिल मान बैठा है।

जिन दिनों उसके भारत से संबंध कुछ बेहतर हो रहे थे, उन दिनों उसकी आर्थिक स्थिति भी कुछ बेहतर हो गई थी, क्योंकि उसे दहशतगर्दी पर पैसे खर्च नहीं करने पड़ते थे। इसके अलावा भारत से उसके व्यापारिक रिश्ते भी प्रगाढ़ थे। कई रास्ते खुल गए थे। मगर यह सब शायद उसे रास नहीं आया। इसलिए कि वहां के हुक्मरान सदा भारत से दुश्मनी दिखा कर ही सत्ता पर अपना कब्जा बनाए रखने में सफल होते रहे हैं।

कैसे मजबूत बने पंचायती व्यवस्था

पंचायत शब्द भारत के लिए नया नहीं है। यह प्राचीन काल से ही अस्तित्व में रहा है। जब समावेशी ढांचा तैयार किया जाता है और उसके उद्देश्य तय किए जाते हैं और इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संस्था का खाका बनता है, तब पंचायत के मार्ग से ही गुजरना पड़ता है। पंचायत केवल एक शब्द भर नहीं है, बल्कि गांव की वह जीवनधारा है जहां से सर्वोदय की भावना और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को समान होने का एहसास होता है। पंचायत लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का परिचायक है। सामुदायिक विकास कार्यक्रम इसकी नींव है, जिसकी शुरुआत दो अक्तूबर, 1952 को हुई थी। पंचायत जैसी संस्था की बनावट कई प्रयोगों और अनुप्रयोगों का भी नतीजा है। सामुदायिक विकास कार्यक्रम का विफल होना, तत्पश्चात बलवंत राय मेहता समिति का गठन और 1957 में उसी की रिपोर्ट पर इसका मूर्त रूप लेना देखा जा सकता है। गौरतलब है कि जिस पंचायत को राजनीति से परे और नीति उन्मुख सजग प्रहरी की भूमिका में समस्याएं दूर करने का एक स्वरूप माना जाता है, आज वही कई समस्याओं में जकड़ी हुई है।

सुशासन शांति और खुशहाली का परिचायक होता है। पंचायत एक ऐसी संस्था है जो सुशासन को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पंचायती राज व्यवस्था के रूप में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का संस्थानीकरण स्थानीय स्वशासन की दिशा में न केवल एक महत्त्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है, बल्कि लघु गणतंत्र की दिशा में भी व्यापक दृष्टिकोण है। इतना ही नहीं, यह महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की इच्छा का परिणाम भी है। गांव के विकास के बिना भारत की प्रगति संभव नहीं है, यह कथन कहीं अधिक पुराना है, मगर इसके नएपन से आज भी छुटकारा नहीं मिला है। जहां से शासन में सबकी भागीदारी सुनिश्चित होती हो और समस्याओं को समझने तथा हल करने का जमीनी प्रयास संभव हो, वही पंचायत है। नीति निर्देशक तत्व के अनुच्छेद 40 के अंतर्गत पंचायत के गठन की जिम्मेदारी राज्यों को दी गई थी। लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की दृष्टि से इसका अनुपालन सुनिश्चित करना न केवल इनका दायित्व था, बल्कि गांवों के देश भारत को सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से अत्यंत शक्तिशाली भी बनाना था। इस मामले में पंचायतें कितनी सफल हैं, यह पड़ताल का विषय है। मगर लाख टके का सवाल यह है कि जिस पंचायत ने सबसे नीचे के लोकतंत्र को मजबूती दे रखी है, वही समस्याओं से मुक्त नहीं है। चाहे वित्तीय संकट हो या उचित नियोजन की कमी या फिर अशिक्षा, रूढ़िवादिता तथा पुरुष वर्चस्व के साथ जात-पांत और ऊंच-नीच ही क्यों न हो। हालांकि पिछले तीन दशकों में ये समस्याएं कम भी हुई हैं और पंचायती व्यवस्था ने यह सिद्ध भी किया है कि उसका कोई विकल्प नहीं है।

पंचायत और सुशासन का गहरा रिश्ता है। पंचायत जहां लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का परिचायक है और स्वायत्तता इसकी धरोहर है, वहीं सुशासन कहीं अधिक संवेदनशील लोक कल्याण और पारदर्शिता व खुलेपन से युक्त है। पंचायत की व्याख्या में क्षेत्र विशेष में शासन करने का पूर्ण और विशिष्ट अधिकार निहित है। इसी अधिकार से उन दायित्वों की पूर्ति भी होती है जो ग्रामीण प्रशासन के तहत स्वशासन का बहाव भरता है। जबकि सुशासन एक ऐसी अवधारणा है जो बार-बार शासन को यह सचेत करती है कि समावेशी और सतत विकास के साथ बारंबार सुविधा प्रदायक की भूमिका में बने रहना है। 1997 का 'सिटिजन चार्टर' सुशासन की ही देन थी और 2005 का सूचना का अधिकार इसी का एक और अध्याय था। इतना ही नहीं, 2006 की ई-शासन योजना से भी पंचायतों को ताकत मिली है। सुशासन की अवधारणा 1992 में सबसे पहले ब्रिटेन में आई थी। हालांकि 1991 के उदारीकरण के बाद इसकी पहल भारत में भी देखी जा सकती है। सुशासन के इसी वर्ष में पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक स्वरूप दिया जा रहा था। संविधान के 73वें संशोधन में जब इसे संवैधानिक स्वरूप दिया गया, तब दो अक्तूबर 1959 से राजस्थान के नागौर से यात्रा कर रही यह पंचायत रूपी संस्था एक नए आभामंडल से युक्त हो गई। 1992 में हुए इस संशोधन को 24 अप्रैल 1993 को लागू किया गया। गौरतलब है कि संविधान के इसी संशोधन में गांधी के ग्रामीण स्वशासन को पूरा किया गया। पंचायतों में एक तिहाई महिलाओं का आरक्षण इसी संशोधन के साथ

सुनिश्चित कर दिया गया था, जो मौजूदा समय में पचास फीसद तक है। देखा जाए तो तीन दशक पुरानी संवैधानिक पंचायती राज व्यवस्था में व्यापक बदलाव तो आया है। राजनीतिक माहौल में सहभागी महिला प्रतिनिधियों के प्रति पुरुषों की सोच बदली है। बावजूद इसके विभिन्न आर्थिक-सामाजिक रुकावटों के कारण आंतरिक क्षमता और शक्ति को लेकर महिलाओं में भरोसा पूरी तरह बन गया हो, ऐसा कम ही दिखाई देता है। लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की यही सजावट है कि पंचायतें सामाजिक प्रतिष्ठा और महिला भागीदारी से सबसे ज्यादा भरी हुई हैं, मगर राजनीतिक माहौल में अपराधीकरण, बाहुबल, जात-पांत और ऊंच-नीच आदि दुर्गुणों से पंचायतें भी मुक्त नहीं हैं। समानता पर आधारित सामाजिक संरचना का गठन सुशासन की एक कड़ी है। इसलिए पंचायतों का उद्देश्य एक शोषण मुक्त समाज का निर्माण होना चाहिए, जहां सुशासन का प्रभाव हो, जिसमें पंचायत में पारदर्शिता और खुलेपन को बढ़ावा मिल सके, ताकि 11वीं अनुसूची में दर्ज 29 विषयों को जनहित में सुनिश्चित कर ग्रामीण प्रशासन को सशक्त किया जा सके। गौरतलब है कि 2011 की जनगणना के अनुसार देश में हर चौथा व्यक्ति अभी भी अशिक्षित है और पंचायत व सुशासन पर इसका प्रभाव देखा जा सकता है। अधिकतर महिला प्रतिनिधि अनपढ़ हैं। इससे उनको पंचायत के लेखापत्र नियम पढ़ने व लिखने में कई दिक्कत आती हैं।

डिजिटल इंडिया का संदर्भ भी 2015 से देखा जा सकता है। आनलाइन क्रियाकलाप और डिजिटलीकरण ने भी पंचायत से जुड़े ऐसे प्रतिनिधियों के लिए चुनौती पैदा की है। हालांकि देश की लाखों पंचायतों को अभी डिजिटल तकनीक से जोड़ना बाकी है, साथ ही बिजली आदि की आपूर्ति का कमजोर होना भी इसमें एक बाधा है। डिजिटल क्रांति ने सुशासन पर गहरी छाप छोड़ी है। जहां एक तरफ डिजिटल लेन-देन में तेजी आई है, कागजों के आदान-प्रदान में बढ़ोत्तरी हुई है, भूमि दस्तावेजों का डिजिटलीकरण हो रहा है, फसल बीमा कार्ड, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और किसान क्रेडिट कार्ड सहित प्रधानमंत्री फसल बीमा जैसी योजनाओं में दावों के निपटारे के लिए रिमोट सेंसिंग, कृत्रिम मेधा आदि का प्रयोग होने लगा है, वहीं ग्राम पंचायतों में खुले स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है, ताकि वे ग्राम स्तरीय उद्यमी बने।

आज का राशिफल

मेष
ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में निवेश लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे।

वृषभ
कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें।

मिथुन
शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

कर्क
सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

सिंह
वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है।

कन्या
सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पारिवारिक चिंता रहेगी।

तुला
कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। सुख के साधनों पर व्यय होगा। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। चोट व रोग से बचें। यश बढ़ेगा। बेचैनी रहेगी।

धनु
घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। बड़ा काम करने की योजना बनेगी। लाभ होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा।

कुंभ
धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन
नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा। धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

स्वास्थ्य समाचार

आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं अरंडी के बीज

अरंडी के बीज औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। अरंडी के बीजों का इस्तेमाल तेल के रूप में किया जाता है। अरंडी के बीजों से निकला तेल मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द को दूर करने में मददगार होता है। इतना ही नहीं अरंडी के बीज बालों, त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं। आयुर्वेद में अरंडी के बीजों का उपयोग विभिन्न प्रकार की दवाइयों को बनाने के लिए किया जाता है। अरंडी के बीज फैटी एसिड, रिसिनोलेइक एसिड और लिनोलिक एसिड से भरपूर होते हैं। इसके साथ ही अंरडी के बीजों में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और कैल्शियम भी पाया जाता है। दरअसल, अरंडी के बीज को एक बाहरी आवरण में लपेटा जाता है, इसमें एक जहरीला तत्व रिकिन होता है, इसके उपयोग से बचना चाहिए।

गठिया में फायदेमंद अरंडी के बीज : अरंडी के बीज गठिया के इलाज में मदद करते हैं। इसका उपयोग जोड़ों और मांसपेशियों के रोगों को दूर करने के लिए किया जाता है। अरंडी के बीजों में पाए जाने वाले ओलेक एसिड, रिसिनोलेइक एसिड, लिनोलिक एसिड और अन्य फैटी एसिड गठिया से संबंधित बीमारियों के इलाज में बेहद प्रभावी हैं। अरंडी के बीज गठिया के दौरान होने वाले दर्द, जलन और सूजन को कम करने में कारगर होते हैं।

दूध का उत्पादन बढ़ाए अरंडी के बीज : नई मांओं के लिए भी अरंडी के बीज फायदेमंद हो सकते हैं। अरंडी के बीजों में गैलेक्टागॉग गुण होते हैं, तो मांओं में दूध के उत्पादन को बढ़ाते हैं। साथ ही दूध की गुणवत्ता में भी सुधार करते है। लेकिन बिना डॉक्टर की सलाह के अलसी के बीजों का उपयोग बिल्कुल न करें, अन्यथा आपको नुकसान भी पहुंच सकता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद अरंडी के बीज : अरंडी के बीजों से निकला तेल त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। अरंडी का तेल त्वचा संबंधी बीमारियों से लड़ने में प्रभावकारी होता है। इसके इस्तेमाल से मुहांसे, काले दाग-धब्बे, ड्रायनेस दूर होती है। इतना ही नहीं अरंडी के तेल में मौजूद तत्व स्किन इंफेक्शन, फंगल इंफेक्शन से भी बचाते हैं। यह त्वचा को मॉयश्चराइज करता है, स्किन की ड्रायनेस कम होती है।

पीरियड्स के दर्द से आराम दिलाए अरंडी के बीज : अरंडी के बीज मासिक धर्म के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। अरंडी के बीजों में पाया जाने वाला रिकिनोलेइक एसिड मासिक धर्म के प्रवाह को आसान बनाते हैं। ऐंठन के साथ-साथ अत्यधिक दर्द से राहत देते हैं। अरंडी के बीज अत्यधिक रक्तस्त्राव से भी बचाते हैं। मासिक धर्म के दौरान आपको डॉक्टर की सलाह पर ही अरंडी के तेल का इस्तेमाल करना चाहिए।

कब्ज से राहत दिलाए अरंडी के बीज : अरंडी के बीजों को कब्ज दूर करने के लिए एक बेहतरीन घरेलू उपाय माना जाता है। इसके लिए आप अरंडी के तेल का उपयोग कर सकते हैं। अरंडी का तेल मल त्याग को आसान बनाता है। अधिकतर आयुर्वेदिक डॉक्टर भी कब्ज होने पर अरंडी का तेल पीने की सलाह देते हैं। अरंडी का तेल कब्ज दूर करने में फायदेमंद होता है।

बालों के लिए उपयोगी अरंडी के बीज : बालों के विकास के लिए अरंडी के बीजों से निकला तेल फायदेमंद होता है। अरंडी के बीज बालों को जड़ों से पोषण देते हैं, बालों का विकास करते हैं और बालों को मजबूत बनाते हैं। बालों पर अरंडी का तेल लगाने से बाल लंबे, घने और मजबूत बनते हैं।

लोअर बैक पैन से रहते हैं परेशान, तो भूल से भी ना करें ये एक्सरसाइज

अब तक हम सभी ने यही सुना है कि खुद को चुस्त-तंदरूस्त रखने के लिए एक्सरसाइज करना बेहद आवश्यक है। आमतौर पर, लोग अपनी पसंद व सुविधानुसार एक्सरसाइज करते हैं। हालांकि, एक्सरसाइज करते समय आपको अपनी हेल्थ कंडीशन पर भी ध्यान देना चाहिए। दरअसल, हर एक्सरसाइज शरीर के विभिन्न हिस्सों पर अलग तरह से प्रभाव डालती है और इसलिए, कभी-कभी जो एक्सरसाइज दूसरों को लाभ पहुंचाती है, वह आपको नुकसान पहुंचा सकती हैं।

लेग लिफ्ट्स : लेग लिफ्ट एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो अमूमन कोर को मजबूत करने के लिए मददगार है। लेकिन अगर आप दोनों पैरों को उठाकर लेग लिफ्ट्स करते हैं, तो इससे आपके पीठ दर्द की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए जहां तक संभव हो, इस एक्सरसाइज को करने से बचें। इसके बजाय, अपनी पीठ के बल लेटने की कोशिश करें, एक पैर सीधा और दूसरा पैर घुटने पर मुड़ा हुआ हो। अपनी पीठ के निचले हिस्से को फर्श पर सपाट रखें। धीरे-धीरे सीधे पैर को लगभग 6 इंच ऊपर उठाएं और थोड़ी देर पकड़ें। फिर पैर को धीरे-धीरे नीचे लाएं। इसे 10 बार दोहराएं, फिर पैर बदलें।

हाई नी जंप : हाई नी जंप एक्सरसाइज यूं तो कैलोरी बर्न करने और वेट लॉस में मददगार है। लेकिन इसे करने से टखने और घुटनों में मोच आ सकती है। खासतौर से, अगर आप कमर के निचले हिस्से में दर्द से परेशान हैं तो आपको इस एक्सरसाइज को करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

अब्डॉमिनल क्रंचेस : यह एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो पेट के लिए तो काफी अच्छी मानी जाती है, लेकिन इस एक्सरसाइज को करते समय पीठ के निचले हिस्से पर बहुत अधिक दबाव पड़ता है।

बर्पीज : बर्पीज एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिसमें आपको जंपिंग सहित बॉडी की कई तरह की मूवमेंट करनी होती है। यह एक हाई-इंटेसिटी वर्कआउट है। इसलिए, बर्पीज एक्सरसाइज बिगनर के लिए थोड़ी मुश्किल है। इतना ही नहीं, अगर आप कमर दर्द से परेशान हैं तो आपको इस एक्सरसाइज को करने से बचना चाहिए।

गर्मियों में महिलाएं नाश्ते में जरूर शामिल करें ये चीजें, नहीं होगी पेट फूलने और गैस की समस्या

मौसम के अनुसार अपने खान-पान में बदलाव करना बेहद जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि अपने खान-पान में बदलाव ना कर पाना आपको बीमार बना सकता है। ऐसे में जब गर्मियां आ रही हैं तो, इसके अनुसार खान-पान रखना बेहद जरूरी है। लेकिन आज हम गर्मियों में महिलाओं के लिए नाश्ते की बात करेंगे। जी हां, ऐसा इसलिए क्योंकि महिलाएं अपने घर और ऑफिस के काम-काज में अपने शरीर पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाती हैं और गर्मियों में हल्की सी लपरवाही भी डिहाइड्रेशन, मतली, उल्टी, दस्त, सिर चक्कराना और कमजोरी का कारण बन सकती है। इसके अलावा महिलाएं अगर प्रेग्नेंट हो या फिर पीरियड्स से गुजर रहीं हो तो, इन तमाम परेशानियों के साथ ब्लॉटिंग, पेट दर्द और मूड स्विंग्स की समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। ऐसे में आपको कोशिश करनी चाहिए कि आप सुबह ब्रेकफास्ट में ऐसी चीजों का सेवन करें जो कि आपको दिन भर स्वस्थ रखे और इन तमाम परेशानियों से बचाएं।

पपीता और खीरा खाएं : महिलाओं को अपने गर्मियों के ब्रेकफास्ट में पपीता और खीरा आदि को जरूर शामिल करना चाहिए। जी हां, ये दोनों ही चीजें पेट को हेल्दी रखने के साथ शरीर को ठंडक प्रदान करते हैं। पपीते और खीरे का खास गुण ये है कि दोनों ही फाइबर से भरपूर है और दोनों में ही पानी की अच्छी खासी मात्रा है। इस खाने से जहां पेट को ठंडक पहुंचती है, वहीं ये पित्तो को बैलेंस करने के साथ शरीर का पीएच भी सही रखता है। साथ ही ये पेट से जुड़ी समस्याओं जैसे कि गैस,

एसिडिटी और बदहजमी को दूर करने में भी मददगार है। तो, इन समस्याओं से बचने के लिए आपको गर्मियों के नाश्ते में इन दो चीजों का सेवन करना चाहिए।

सत्तू पिएं : सत्तू की सबसे खास बात ये है कि यह पेट को ठंडा करता है। ये जहां एसिडिटी को शांत करता है, वहीं पीरियड्स में होने वाली ब्लॉटिंग को भी कम करता है। इसके अलावा चने से बने सत्तू में आयरन की भी अच्छी मात्रा होती है जो कि शरीर में खून की कमी को दूर करता है। इसके अलावा इसका फाइबर कब्ज आदि की समस्या को भी कम करने में मददगार है।

दही पोहा : क्या आपने कभी दही पोहा खाया है? नहीं, तो गर्मियों का मौसम आते ही आपको इसको जरूर ट्राई करना चाहिए। इसमें पोहा दही में भीगो कर बनाया जाता है। इसमें पोहे की मात्रा कम और दही की मात्रा ज्यादा होती है। जिसकी वजह से इसका फाइबर आपके पेट को हेल्दी रखता है और डाइजेशन को बेहतर बनाने में मदद करता है। इस तरह इसे खा कर ना आपको एसिडिटी होगी और ना ही बदहजमी। साथ ही आप कई सारी चीजों से भी बचे रहेंगे।

मूंग दाल की खिचड़ी और पुंदीने की चटनी : मूंग दाल की खिचड़ी जहां प्रोटीन से भरपूर है और महिलाओं में कमजोरी दूर करने का काम करती है। वहीं, पुदीने की चटनी खाना तेजी से पचाने में मदद करती है। इन दोनों को खाने से महिलाओं में कमजोरी की समस्या दूर हो जाएगी। इसके अलावा ये पेट के लिए भी हेल्दी है और इसे लू आदि से बचाव में मदद करता है।

लौकी के पराठे : लौकी के पराठे गर्मियों के लिए बेस्ट पराठा है। लौकी के पराठे जहां पेट के लिए ठंडे होते हैं वहीं आप इसे खाकर आसानी से पचा सकते हैं।

जायल में बिजली कटौती के विरोध में प्रदर्शन, कांग्रेस सरकार के खिलाफ जताया रोष

रमेश जाजड़ा

जायल(नागौर डेली न्यूज) : पिछले 15 दिन में पूरे प्रदेशभर में अघोषित बिजली कटौती से शहर से लेकर ढाणी-ढाणी तक लोगों के हाल-बेहाल है। शनिवार को भाजपा के प्रदेश व्यापी आह्वान पर पूर्व विधायक डॉ. मंजू बाघमार के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने गहलोत सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करते हुए तहसील रोड स्थित डिस्कॉम ऑफिस के सामने सांकेतिक धरना दिया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पूर्व विधायक डॉ. मंजू बाघमार ने कहा कि अशोक गहलोत सरकार की मनमानी के चलते पूरे प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। इससे भीषण गर्मी के चलते लोगों का जीना बेहाल हो गया है। अभी विद्यार्थियों के बोर्ड परीक्षाएं चल रही है और ऐसे वक्त में बिजली कटौती से सीधे उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है। मंडल अध्यक्ष रामानुज शर्मा ने कहा कि प्रदेश में 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा करने वाली गहलोत सरकार इस मुद्दे पर पूरी तरह से फेल हो गई है। विधुत कटौती से कारोबार भी बूरी तरह प्रभावित हो रहा है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने गहलोत सरकार की ओर से शीघ्र बिजली कटौती बंद नहीं किए जाने पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने डिस्कॉम अधिकरियो ओर उपखण्ड अधिकारी रविन्द्र कुमार चौधरी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन देकर अघोषित बिजली कटौती बंद कराने की मांग की है। इस दौरान भाजपा के रमेश काकाणी, रामदेव राव,विकास समिति के रामदेव राव, भोमसिंह लोमरोड़, छोगाराम बिडियासर, सुरेश लोमरोड़, रामकुवार सोनी, द्वारकाप्रसाद काकाणी, अम्बालाल पाराशर, राकेश शर्मा रामानुज शर्मा, मगन सिंह राठौड़, ओमप्रकाश बिडियासर, मनफूल बिडियासर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवैध हथियार तस्करों पर शिकंजा, पिस्टल के साथ आरोपी गिरफ्तार

रमेश जाजड़ा

जायल(नागौर डेली न्यूज) : नागौर पुलिस अधीक्षकराममूर्ति जोशी द्वारा अवैध हथियारों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डीडवाना विमल सिंह जायल वृताधिकारी रामेश्वर लाल के सुपर विजन में थानाधिकारी सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्यवाही करते हुए एक अवैध पिस्टल ओर 2 जिंदा कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जायल थानाधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा जानवास रोड पर नाकाबंदी के दौरान आरोपी मनीराम जाट पुत्र हनुमान राम जाति जाट उम्र 19 साल निवासी जानवास को पिस्टल ओर 2 जिन्दा कारतूस मिलने पर गिरफ्तार कर कार्यवाही करते हुए पूछताछ की गयी, जिसमें आरोपी ने बताया कि मनीष तरड़ पुत्र ताराचंद निवासी उबासी पुलिस थाना बड़ी खाटू द्वारा आरोपी मनीराम की जान पहचान रतन शर्मा से करवाई जिससे पिस्टल खरीदकर आरोपी अधिक दामो में बेचने की फिराक में था। पुलिस द्वारा आरोपी से गहन पूछताछ जारी है हथियार खरीद फरोख्त में शामिल अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

परबतसर विधायक रामनिवास गावड़िया ने दी रोजा इफ्तार पार्टी

जुगल किशोर शर्मा

परबतसर(नागौर डेली न्यूज) : परबतसर विधायक रामनिवास गावड़िया की ओर से शनिवार को मदरसे भव्य रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया।

इस दौरान विधायक गावड़ियां ने रोजेदारों के बीच बैठकर रोजेदारों का रोजा खुलवाया व स्वयं ने भी इफ्तारी चखी। इस दौरान हमीद खां, अजीज खान, पार्षद प्रतिनिधि दानिश खान, प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश मुंडवाडीय, रमेश चंद्र बोहरा, श्याम सुंदर चौहान, लोकेश सैनी, पार्षद मोनु घारू, कार्तिक शर्मा, अजीज खान, सलीम खान, भीमसेना सेना अध्यक्ष भोमराज, उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद आदि मौजूद रहे।

विधायक रामनिवास गावड़िया ने सभी को रमजान के पावन महीने की बधाइयां दी और सभी रोजेदारों से कहा कि मालिक से इबादत करो कि देश में अमन चैन व भाई चार बना रहे।

सामाजिक-आर्थिक विकास में प्रवासियों का योगदान : गावड़िया

विधायक रामनिवास गावड़िया ने सूरत में क्षेत्र के प्रवासी लोगों से की मुलाकात

जुगल दायमा

हरसौर(नागौर डेली न्यूज) : विधायक रामनिवास गावड़िया ने सूरत में क्षेत्र के प्रवासी लोगों द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में भाग लिया। सूरत पहुंचने पर प्रवासियों ने उनके आगमन पर शहर में पलक फावड़े बिछाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। विधायक गावड़िया ने अपने उद्बोधन में यहां बसने वाले प्रवासी लोगों द्वारा निर्मित 'मिनी भारत' के रूप में वर्णित किया।

विधायक गावड़िया ने कहा कि यहां रहने वाले लाखों प्रवासियों ने मिलकर ने यहां मिनी भारत बनाया है। विभिन्न संस्कृतियों के लोग यहां नौकरी और व्यवसाय के लिए आते हैं। यहां उन्हें अच्छा माहौल मिलता है, अच्छी तनख्वाह मिलती है और हर कोई इस शहर को अपना समझता है। यहां हर कोई आर्थिक रूप से आगे बढ़ता है। यहां उपलब्ध रोजगार के अवसरों के कारण सामाजिक-आर्थिक विकास हुआ है। हमारे प्रवासी लोग गाँवो की औसत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं और वहां की आर्थिक व राजनीतिक दशा व दिशा को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रवासी लोगों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के कारण ही साझा पहचान मिली है और यही कारण है जो उन्हें अपनी मिट्टी से गहरे जोड़ता है।

ये रहे मौजूद : दौरे के दौरान प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश मुण्डवाड़िया, सरपंच संघ अध्यक्ष मांगीलाल चोयल, कुराड़ा सरपंच पूराराम चोयल,टापरवाडा सरपंच प्रतिनिधि मूलाराम गोदारा, अमरसिंह राजपुरोहित, लक्ष्मणराम कड़वा जंजीला, शोभाराम बेनीवाल राबड़ियाद, विजेंद्र गोदारा रिड़, लक्ष्मण डूडी कुण्डरी,ओमप्रकाश नेण जावला,नंदकिशोर मुंडेल बरेव, कृपाराम धेडू रघुनाथपुरा, भवरलाल बाजिया सिटावट, रूपाराम डूडी झालरा, राजूराम मुण्दलिया, राजेन्द्र मेघवाल,सुरेश माली बड़ू,राजूराम आँचरा भादवा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

तबादला होने पर वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति ने किया एसडीएम चौधरी का सम्मान

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। डेगाना उपखण्ड अधिकारी रहे मुकेश चौधरी का जयपुर तबादला हो जाने के बाद शनिवार को उनकी विदाई पार्टी का आयोजन किया, जिसमें वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति के द्वारा उनका सम्मान कर विदाई दी। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी चौधरी ने डेगाना के सभी लोगो से मिले प्यार ओर सम्मान पर आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो सालों के कोरोना काल के दौरान लोगो को बहुत परेशानी उठानी पड़ी। इस दौर में कईयों ने अपने परिजनों को भी खो दिया, लेकिन कोरोना के खिलाफ लोगो ने प्रशासन के साथ मिलकर इस विश्वव्यापी महामारी के खिलाफ जंग लड़ी ओर सफल भी रहे। विदाई समारोह में वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति की ओर से एसडीएम चौधरी का माला साफा पहनाकर अभिनदंन किया। अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनी, सरंक्षक डॉ केसी माथुर, डॉ एसएन माहेश्वरी, सचिव, मन्नेसिंह पवार, आसाराम मुण्डेल, भंवरलाल सारण, कालुराम, सुरेश तापडिया, लक्षमणसिंह बाहरट, नंदलाल अरोडा, गिरवरसिंह, राधेश्याम वैष्णव, श्रीपाल चौधरी, राधेश्याम करवा, हरिप्रसाद पारीक, पीथाराम आदि ने एसडीएम मुकेश चौधरी के कार्यकाल की जमकर सराहना की।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती से जनता परेशान, दूसरी ओर महंगाई की मार : जोया

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विक्रम प्रसाद ज़ोया ने शनिवार को एक प्रेस नोट जारी करके कांग्रेस और भाजपा को बताया एक सिक्के के दो पहलू पिछले दिनों से लगातार बिजली कटौती से जनता को परेशान का सामना करना पड़ रहा है। राज्य सरकार केंद्र सरकार पर निशाना साधकर कोयलें की कमी बता रही हैं और राज्य का विपक्ष बिजली कटौती पर जगह जगह ज्ञापन सौंपा जा रहा है बल्कि आज महंगाई भी आसमान छू रही है राज्य के भाजपा नेता केन्द्र में अपनी सरकार होने के बावजूद भी और राज्य के 25 सांसद भाजपा के होने के बाद भी महंगाई पर बोलने को तैयार नहीं है। आज एक तरफ जहां तपती धूप में बिजली कटौती और एक तरफ महंगाई से जनता परेशान हो रही लेकिन राज्य की कांग्रेस सरकार और केंद्र की भाजपा सरकार एक दूसरे पर लांछन लगाने के अलावा कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। अब राज्य की जनता कांग्रेस और भाजपा दोनों से परेशान हो गई है। 2023 में जनता तीसरे मोर्चे को मौका देने की तैयारी में है।

बैंक मैनेजर के सेवानिवृत्त होने पर मारोठ के ग्रामीणों ने आयोजित किया भव्य विदाई समारोह

हितेश रारा

मारोठ(नागौर डेली न्यूज) : कस्बे में स्थित एसबीआई बैंक के मैनेजर विनोद कदल बाजू के सेवानिवृत्त होने पर बैंक स्टॉफ व ग्रामीणों ने भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया। एसबीआई बैंक मैनेजर विनोद कदल बाजू ने अपने 36 साल के कार्यकाल में मारोठ को 3 साल दिए। मारोठ में 15 जून 2019 से 30 अप्रैल 2022 तक अपनी सहरानीय सेवाएं ग्रामीणों को दी।

शनिवार को आयोजित सेवानिवृत्त विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में रामकिशन मीणा चीफ मैनेजर कुचामन व कार्यक्रम के अध्यक्ष मारोठ सरपंच सारिका बाबेल रही। कार्यक्रम में सर्वप्रथम एसबीआई बैंक मारोठ सहायक प्रबंधक मनोज कुमार वर्मा, केसियर पुखराज माली, क्लर्क एकता शर्मा व स्टाफ संगीता व महेंद्र ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में बैंक मैनेजर विनोद कदल बाजू की पत्नी अनीता बाजू, पुत्र वैभव बाजू, पुत्री विभूति बाजु मौजूद रही।

प्रथम वैवाहिक वर्षगांठ पर मारोठियां ने रक्तदान, गौसेवा, परिन्डे लगाकर दिया समाज को प्रेरणादायक संदेश

श्यामसुन्दर प्रजापत

मीठड़ी(नागौर डेली न्यूज) : मीठड़ी कस्बे के युवा हर छोटे बड़े उत्सव पर अलग हटकर मना के यादगार पल बना रहे है। साथ ही सनातन संस्कृति को बढ़ावा दे रहे है। ऐसे ही होनहार युवा सांवरमल ने अपनी पहली वैवाहिक वर्षगांठ पर केक काटना, पार्टी करना जैसी पाश्चात्य संस्कृति का परित्याग कर समाजसेवा का बीड़ा उठाया है। इसके लिए ओमप्रकाश कुमावत जो पेशे से मैकेनिक है। वहीं कुमावत करीब 21 बार रक्तदान भी कर चुके है। कुमावत ने अपने परिचित सांवरमल को प्रेरित कर वर्षगांठ पर रक्तदान करने का सुझाव दिया।

सांवरमल मारोठिया ने अपनी प्रथम वैवाहिक वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आवारा गौवंश को गायों को हरा चारा, बेजुबान पक्षियो के लिए परिन्डे, दाना पानी की व्यवस्था की।

वहीं श्री श्याम ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया, जिससे किसी मरीज की जान बच सके। अनोखे अंदाज वैवाहिक वर्षगांठ मनाने पर महेंद्र कुमावत, कैलाश कुमावत, ओमप्रकाश कुमावत, प्रकाश कुमावत सहित अन्य गणमान्य नागरिको ने बधाई दी। इसके दौरान समाज सेवी रतन कुमावत, हंसराज आयथान व श्री श्याम ब्लड बैंक कुचामन स्टाफ मुकेश कुमावत , श्रीपाल सिंह ने रक्त दाता मारोठियां को प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

राजस्थान ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष खंडेलवाल का सर्व समाज ने किया स्वागत

जुगल किशोर शर्मा

परबतसर(नागौर डेली न्यूज) : शुक्रवार देर शाम राजस्थान ब्राह्मण महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं एन टेक ग्रुप के डायरेक्टर धीरज कौशिक द्वारा ब्राह्मण महासभा परबतसर अध्यक्ष नरेन्द्र खंडेलवाल व सचिव दीनदयाल ओझा का स्वागत किया गया। इस अवसर खंडेलवाल का माला, साफा पहनाकर किया गया। कार्यक्रम में माधो प्रसाद व्यास, शैलेष पलोड़, ओमप्रकाश व्यास, गजानन्द रूंथला, श्रीनिवास शर्मा, सुभाषचन्द्र गौड़, पार्षद पूनमचंद शर्मा, हितेश शर्मा, मिलाप सिवाल, नीरज व्यास, भारत विकास परिषद शाखा परबतसर कोषाध्यक्ष कैलाश चन्द्र सैन, सुनील काबरा सभी ने माला पहना कर स्वागत किया।

विद्यार्थियों को मिले गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

महात्मा गांधी स्कूल में प्रवेश उत्सव को लेकर हुई बैठक

जुगल किशोर दायमा

हरसौर(नागौर डेली न्यूज) : शनिवार को ग्राम भकरी के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम में अगले सत्र में प्रवेशोत्सव को लेकर बैठक का आयोजन प्रधानाचार्य अनिल कुमार की अध्यक्षता में हुआ। बैठक में प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने बताया कि विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। 2 मई से 10 मई तक आवेदन लिए जाएंगे तथा 14 मई को लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से विद्यार्थियों की चयन सूची चस्पा होगी। कक्षा 1 से 5 तक 30 विद्यार्थियों एवं 6 से 8 तक 35 विद्यार्थियों को प्रति सेक्शन निर्धारित किया है।

ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित

अबूबकर बल्खी

लाडनूँ(नागौर डेली न्यूज) : भगवान परशुराम का जन्मोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाए जाने हेतु शनिवार को सर्व ब्राह्मण समाज की बैठक पारीक भवन में रखी गई। बैठक में जगदीश प्रसाद पारीक, सुशील पीपलवा, राजकुमार कठोतिया, एडवोकेट नरेन्द्र भोजक, भगवती प्रसाद शर्मा, लूणकरण शर्मा, चेतन भोजक, तपस्वी शर्मा, वासुदेव शर्मा, रिछपाल शर्मा, मदनलाल शर्मा, शिवशंकर बोहरा, पवन पारीक, अजीत पारीक, केशव पारीक, बजरंग पारीक, मनमोहन शर्मा व अनेक विप्र बंधु उपस्थित रहे। बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय हुआ कि अक्षय तृतीया को सुबह लाडनूँ गोशालाओं एंव मोक्ष धाम में पक्षियों के लिए परिण्डे लगाए जाएंगे। 8 मई रविवार को शाम को 7 बजे से पारीक भवन लाडनूँ में सर्व समाज द्वारा भगवान परशुराम का कार्यक्रम मनाया जाएगा, जिसमें सर्व प्रथम संत महात्माओं एंव प्रबुद्धजनों का सम्मान किया जाएगा। फिर भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण किया जाकर पूजा एंव आरती का कार्यक्रम रखा जाएगा एंव भजन कीर्तन एंव प्रबुद्धजनों द्वारा भगवान श्री परशुराम जी के बारे में समाज के सभी बंधुओं को बताया जाएगा।

10 साल के अनस ने रखे पूरे रोजे

अबरार अली बेरी

डीडवाना(नागौर डेली न्यूज) : धर्म का वास्तविक स्वरूप उसकी उपासना पद्दति में छुपा है। इंसान के जीवन जीने का सात्विक मार्ग ही धर्म है अभी इस्लाम धर्म का सबसे पाकीजा माह रमजान चल रहा है एक माह तक सुबह से शाम तक भूख प्यास को बर्दाश्त करना और अपने आपको इबादत में मशगूल रखना इस्लाम के अनुयायियों का नित्य कर्म रहता है ऐसे में हर उम्र कर लोग रोजा रख रहे है वंही बच्चे भी इसमें अग्रणी भूमिका में नजर आ रहे है। ग्राम छोटी बेरी के हाजी सलेम खान के पौत्र अनस खान मात्र दस वर्ष की आयु के ऐसे रोजेदार बन गए है, जिन्होंने लगातार पूरे रोजे रखे हो, अनस का आज अठ्ठाइसवां रमजान है और उसका अहद है कि वो पूरे माह के रमजान रखेगा।

11 केवी तार टूटने से किसान परिवार का आशियाना जला, 11 बकरियां मरी

परिजनों को ग्रामीणों के सहयोग से एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि सौंपी

जुगल किशोर दायमा

हरसौर(नागौर डेली न्यूज) : समीपस्थ ग्राम पीह में 11 केवी के तार टूटने से एक बार फिर गरीब किसान का आशियाना जलकर खाक हो गया। करंट की चपेट में आने से किसान परिवार की बकरियां एक साथ जिंदा जल गई। गांव के पीड़ित परिवार सदाम सांखला पुत्र गनीखा को सरपंच अमरचंद जाजड़ा ने ग्रामीणों के सहयोग से एकत्रित की गई एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि सौंपी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पटवारी, बिजली विभाग के कर्मचारी, पशु चिकित्सक, ग्राम विकास अधिकारी ने मौका मुआयना किया।

विद्युत कटौती को लेकर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

● किसानों का फूटा गुस्सा ● गहलोत सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

विद्युत व्यवस्था में नहीं किया सुधार तो फिर करेंगे आंदोलन

एजाज़ अहमद उस्मानी

मेड़ता रोड(नागौर डेली न्यूज) : मेड़तासिटी उपखंड क्षेत्र के मेड़ता रोड कस्बे में पिछले काफी समय से विद्युत की अव्यवस्था को लेकर गुस्साए ग्रामीणों ने शनिवार को विद्युत विभाग के 132 जीएसएस पर विरोध प्रदर्शन कर आला अधिकारियों तक विरोध दर्ज कराया। विरोध प्रदर्शन के दौरान मेड़ता रोड, जारोड़ा, कूपड़ास, छापरी, जाजड़ा बास, दधवाड़ा, गागुड़ा आदि गांव के लोग मौजूद थे। ग्रामीणों ने कहा कि पिछले दो माह से मेड़ता रोड, जारोड़ा, कूपड़ास, छापरी, जाजड़ा बास, दधवाड़ा, गागुड़ा सहित कई गांवो व ढाणियों में बिजली की बार बार कटौती की जा रही है। जबकि सरकार ने बिजली का बिल 50 यूनिट तक फ्री करने की बजट में घोषणा की थी, लेकिन लगता है विभाग के अधिकारी विद्युत कटौती करके इस 50 यूनिट बिजली की पूर्ति करना चाहते हैं। यह उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि बोर्ड की परीक्षाएं एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं सामने है। बिजली की कटौती के कारण विद्यार्थियों को पढ़ाई करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत विभाग विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। विद्यार्थियों के भविष्य को देखते हुए विद्युत विभाग को ऐसा नहीं करना चाहिए। इसके अलावा घरेलू उपभोक्ताओं को रोजमर्रा के कार्यों के लिए विद्युत की कटौती के कारण परेशान होना पड़ रहा है।

वही अघोषित बिजली कटौती के दौरान किसानों को भी भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने कहा कि गहलोत सरकार पूरी तरह से निकम्मी हो चुकी है जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। किसानों ने राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत पर आरोप लगाते हुए कहा कि गहलोत ने अब तक किसानों को जो सपने दिखाए थे उस पर एक प्रतिशत भी खरा नहीं उतरे हैं। किसानों ने कहा कि अगर गहलोत सरकार किसानों का भला चाहती है तो किसानों को समय अनुसार लिए भी बिजली की सप्लाई देते हुए किसानों को राहत प्रदान करें अन्यथा आने वाले चुनाव में गहलोत सरकार को गंभीर हार का चेहरा देखना पड़ सकता है।

इनका कहना है : कोयले की कमी के चलते विद्युत उत्पादन में कमी आ रही है, जिससे पूरे प्रदेश में विद्युत का संकट छाया हुआ है। विद्युत उत्पादन प्लांट के समस्त आला अधिकारी एवं सरकार समस्या के समाधान के लिए प्रयास कर रही है।

गोपाल कृष्ण शर्मा, सहायक अभियंता विद्युत विभाग मेड़ता रोड

धन का सदुपयोग परोपकार के कार्यों में करने वाले बिरले ही होते है

रामानंद चन्द्रकुमार वर्मा के सौजन्य से बनवाया टीन शेड

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : लॉयन्स क्लब कुचामन फोर्ट एवं लॉयन्स क्लब कुचामन फोर्ट सेवा ट्रस्ट की प्रेरणा से कुचामन निवासी हैदराबाद प्रवासी रामानंद चन्द्रकुमार वर्मा के सौजन्य से गांव बांसा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में बनवाये गए टीन शेड का लोकार्पण भामाशाह परिवार के लॉयन चन्द्रकुमार वर्मा, ओमप्रकाश सोनी, ट्रस्ट अध्यक्ष लॉयन राम काबरा, क्लब अध्यक्ष लॉयन वेनिगोपाल मालपानी, क्षेत्रीय अध्यक्ष लॉयन आशीष जैन ने फीता काटकर किया। इस दौरान लॉयन राम काबरा ने कहा कि इस आर्थिक युग में धन कमाना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन धन का सदुपयोग परोपकार के कार्यों में करने वाले बिरले ही होते है। उन्हीं में से है वर्मा परिवार जो पीड़ित मानव हितार्थ नेक कार्यों में निरंतर सहयोग करने को तत्पर रहते है। लॉयन चन्द्रकुमार वर्मा ने कहा कुचामन मेरी जन्म स्थली होने की वजह से शुरू से ही यहां से लगाव रहा है, जिसकी वजह से इस क्षेत्र में हो रहे पुनीत कार्यों में सहयोग करने की इच्छा दिल में सदैव रहती है। लॉयन वेनिगोपाल मालपानी ने वर्मा परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा जिस प्रकार से वर्मा परिवार का सहयोग मिल रहा है उससे निश्चित रूप से क्लब को ओर अधिक सेवा कार्य करने के अवसर मिल रहे है। लॉयन आशीष जैन ने विद्यार्थियों को खूब मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करने की सीख दी। प्रधानाध्यापक मुमताज खान ने कहा बच्चों को धूप एवं बारिश से बचाव हेतु इस टीन शेड की अति आवश्यकता थी, जिसे लॉयन्स क्लब कुचामन फोर्ट को कहा गया। इस पर इन्होंने तुरंत यह शेड बनवाया। इस नेक कार्य के लिए विद्यालय वर्मा परिवार एवं क्लब को साधुवाद देता है। पीईईओ प्रतिनिधि हरीराम रणवा, प्रधानाध्यापक मुमताज खान, अध्यापक श्रवणकुमार मीणा, जीवनराम, बजरंगलाल, करणसिंह, मोनिका खंडेलवाल, सुमनकुमारी, चंदा कुम्हार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन करणसिंह राठौड़ ने किया।

कामयाबी के झंडे गाड़ेगी फिल्म 'थार' : निर्माता चौधरी-

6 मई को होगी रिलीज, फिल्म के निर्माता निर्देशक राज सिंह चौधरी पहुँचे पैतृक गांव निम्बड़ी, जल्द कॉमेडी विद कपिल शो में आएंगे नजर

जुगल दायमा

हरसौर(नागौर डेली न्यूज) : 6 मई को रिलीज होने वाली फिल्म 'थार' के निर्देशक राज सिंह चौधरी अपने पैतृक गांव निम्बड़ी पहुंचे। सामाजिक कार्यक्रम में शिरकत करने आए फिल्म अभिनेता एवं निर्देशक राज चौधरी के साथ अभिनेता संजय दाधीच भी थे। फिल्मों में आउटसाइडर से अभिनेता, डायरेक्टर तक का सफर तय करने वाले चौधरी ने भास्कर से विशेष बातचीत की। उन्होंने कहा कि थार एक आगामी थ्रिलर ड्रामा फिल्म है। फिल्म में अनिल कपूर और हर्षवर्धन कपूर लीड रोल में नजर आयेंगें। राजस्थान के बीहड़ रेगिस्तान में फिल्म 'थार' की शूटिंग बहुत मुश्किल थी। शूटिंग के अपने अनुभव को साझा करते हुए राज ने कहा, 'यह इलाके के लिहाज से एक कठिन शूटिंग थी। कुछ जगहों पर शूटिंग में दिक्कतें आ रही थीं, खासकर एक शॉट सेट करने के लिए उपकरण ले जाना। ऐसा ही एक स्थान था जो मुझे मिला- जो एक 800 साल पुरानी संरचना थी और यह सुंदर और बीच में पहाड़ की चोटी पर थी, मुझे पता था कि मुझे वहां शूटिंग करनी है, लेकिन फिर प्रोडक्शन ने मुझे बताया कि तार्किक रूप से वहां शूट करना असंभव था। मैंने उन्हें आश्वस्त किया और प्रोडक्शन आश्चर्यजनक था कि उन्होंने आसान आवागमन के लिए एक सड़क बनाई। स्टार कास्ट के सामने आने वाली कठिनाइयों का जिक्र करते हुए उन्होंने यह भी कहा, 'सतीश कौशिक सर पहाड़ों पर चढ़ गए और अनिल सर उन इलाकों में बाइक की सवारी कर रहे थे, जो बाइक पर सवारी करने के लिए बहुत कठिन हैं। इसके अलावा, एक शॉट ऐसा भी था जिसमें फातिमा जीप से गिर पड़ी थी, जब वह स्पीड में चल रही थी, लेकिन उन्होंने खुद को संभाला और जीप में बैठ गई।

'गुलाब' बनाने में लग गए 7 साल

गुलाब फिल्म की कहानी मैंने ही लिखकर अनुराग कश्यप को सुनाई थी। स्क्रिप्ट बनाने के बाद फिल्म को बनाने में 7 साल का समय गया। कपिल के शो में फिल्म के प्रोमो को लेकर मजा आ रहा है। प्रोमो में अच्छा पब्लिक रिएक्शन मिला है। सब लोग बोल रहे हैं,ऐसा राजस्थान हमने देखा नहीं है। हमने फिल्म के माध्यम से ऐसे राजस्थान को पर्दे पर चित्रित करने का प्रयास किया है,जो अभी तक किसी ने नहीं देखा। फिल्म के ट्रेलर को लेकर बहुत तारीफ हो रही है। इंटरनेशनल लेवल पर बनी यह फिल्म पर्दे पर धमाकेदार एंट्री करेगी। छोटे से गांव का रहने वाला व्यक्ति भी कला के माध्यम से कहीं भी पहुंच सकता है। बशर्ते मेहनत और पढ़ाई करे तो। राजस्थान में अभिनेताओं की कोई कमी नहीं है। अगली फिल्म भी राजस्थान में ही बनेगी जिसकी शूटिंग अक्टूबर-नवंबर में शुरू होगी। नागौर जिले के डेगाना तहसील में स्थित निम्बड़ी कलाँ पैतृक गाँव हैं। मगर लंबे समय से पिताजी के साथ दार्जिलिंग में रहते थे। बेंगलुरु से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग करने के बाद फिल्मों में लगाव होने के बाद मुंबई चला गया और आउटसाइडर के रूप में सफर शुरू किया।

-थार में अनिल और हर्षवर्धन होंगे आमने-सामने होंगे

'थार' का सेट अस्सी के दशक में स्थापित है और सिद्धार्थ की कहानी पर आधारित है। यह राज सिंह चौधरी के निर्देशन में पहली फिल्म है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।अभिनेता अनिल कपूर, हर्षवर्धन कपूर, फातिमा सना शेख और सतीश कौशिक नेटफ्लिक्स पर आने वाली रिवेंज थ्रिलर 'थार' में अभिनय करते नजर आएंगे।

पश्चिमी नोयर शैलियों से प्रेरित, 'थार' का सेट अस्सी के दशक में स्थापित है। पुष्कर में नौकरी के लिए शिफ्ट होने के बाद, सिद्धार्थ अपने अतीत का बदला लेने के लिए यात्रा पर निकल पड़ता है। इस फिल्म में अनिल और हर्षवर्धन आमने-सामने होंगे। फिल्म के फर्स्ट लुक को अनिल कपूर और हर्षवर्धन दोनों ने अपने-अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया है। अनिल कपूर ने अपने पोस्ट में लिखा, 'रेगिस्तान के रेत में दबे राज भी अब कानून के इन लंबे हाथों से नहीं बच पाएंगे। इससे पहले राज सिंह फिल्म 'गुलाल' में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा चुके हैं। क्रिटिक्स ने उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया था। इस दौरान सीकर की पूर्व जिला प्रमुख रीटा चौधरी, भेरुन्दा प्रधान जसवंत सिंह थाटा, जिला परिषद सदस्य मनीष चौधरी, मंडल अध्यक्ष बलवीर सिंह, कन्हैयालाल तिवाड़ी,रामवतार शर्मा सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

माता-पिता की पुण्य स्मृति में जैन परिवार ने इन्दिरा रसोई में जरूरतमंदों को खिलाया खाना

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : शनिवार को जयपुर निवासी मणिपुर मोरे प्रवासी जैन सोशल ग्रुप राजधानी जयपुर के उपाध्यक्ष प्रकाश-लीला अजमेरा ने अपने माता-पिता स्वर्गीय गुलाबचंद अजमेरा व श्रीमती मनफूल देवी की पुण्य स्मृति में कुचामनसिटी की इन्दिरा रसोई में जरूरतमंदों को खाना खिलाया। ये पुनित कार्य उन्होंने चित्तावा के पूर्व सरपंच सुभाष जैन व बबिता अजमेरा की प्रेरणा से किया। कुचामन में महावीर इंटरनेशनल युवा केंद्र के तत्वावधान में इसकी व्यवस्था की जिम्मेदारी चित्तावा सरपंच सुभाष अजमेरा, जोन सचिव सुभाष पहाड़िया, युवा केंद्र अध्यक्ष आनन्द सेठी, जितेंद्र पटौदी ने ली। इस अवसर पर समाज कल्याण अधिकारी रजनीश चौधरी भी उपस्थित रहे। उन्होंने महावीर इंटरनेशनल युवा केंद्र द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करी। इसी दौरान सुभाष अजमेरा ने बताया कि जेएसजीआई एफ नॉर्थन रीजन के तत्वावधान में 12 शहर 12 महीने के हिसाब से संपूर्ण वर्ष में अलग-अलग जगहों पर यह व्यवस्था की गई है।

भेरुन्दा में हुआ स्वास्थ्य मेले का हुआ आयोजन

शिविर में 1120 लोग हुए लाभान्वित, प्रधान जसवंत सिंह रहे मौजूद

इलियास खान

रियांबड़ी(नागौर डेली न्यूज़)। उपखंड रियांबड़ी की पंचायत समिति भेरूंडा में गौरी शंकर शर्मा उपखंड अधिकारी रिया बड़ी के निर्देशन में एवं प्रधान पंचायत समिति भेरूंडा जसवंत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित ब्लॉक हेल्थ मेला भेरूंडा संपन्न हुआ । बीसीएमओ डॉक्टर एसएस दिवाकर ने बताया की ब्लॉक हेल्थ मेले में कुल1120 लोगों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया गया जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सेवाएं दी नेत्र रोग के 83, अस्ति रोग 79, शिशु रोग के 88, स्त्री रोग 179, नाक कान गला 69 टेलीमेडिसिन के तहत विशेषज्ञ की सेवाओं का लाभ 125 आयुर्वेद 139 योग 96 चिरंजीवी योजना के कार्ड 48 रिन्यू एवं 4 नए बांड जारी किए गए। लैब जांच 512 ईसीजी, 24 टी बी जांच 35 एचआईवी जांच 25 व आरबीएसके के तहत 127 रेफरल बच्चों की जांच कोविड वैक्सीनेशन 18 विशेषज्ञ योग्यजन के 3 प्रमाण पत्र बनाए गए । इस हेल्थ मेले में विकास अधिकारी पंचायत समिति भेरूंदा हुकमाराम डॉ पंकज पांडे, डॉक्टर वीरमा राम , डॉक्टर दुर्गा राम , डॉक्टर दौलत राम , डॉक्टर चंद्रशेखर , डॉक्टर प्रकाश , डॉक्टर मुस्कान सोनी, डॉ राजेंद्र चौधरी, प्रभारी डॉक्टर हनुमान राम डूकिया, डॉ. रामेश्वर काला, बीपीएम केसरा राम जोशी , सरपंच प्रतिनिधि चेनाराम , रामनिवास, शंकर राम, रघुवीर सिंह , रविंद्र सिंह , डॉ श्याम , पुखराज , सत्यनारायण, विनोद , तेजराज , मधुराणी सी एच ओ एएनएम , आशा व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहकर सेवाएं दी गई ।

विद्युत कटौती के चलते पानी नहीं मिलने पर फसलें हुई बर्बाद, किसान ने प्याज की फसल पर चलाया ट्रैक्टर

बिजली कटौती से गहराया किसानों का संकट, पर्याप्त बिजली नही मिलने से प्याज की फसल पानी बिन हो रही है बर्बाद

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी (नागौर डेली न्यूज) : तीन चार महीने की मेहनत के बाद आखिर कौन अपनी फसल को खेत में बर्बाद करना चाहेगा लेकिन कुचामन खंड के एक किसान को अपने 5 बीघा प्याज के खेत में ट्रैक्टर चलाने पर मजबूर होना पड़ा क्योंकि सरकारी व्यवस्था की मार तथा बिजली कंपनियों द्वारा लगातार बिजली की कटौती शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में कर रहे हैं, जिसके चलते किसानों को खेतों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है।

इसका खामियाजा किसानों को उठाना पड़ रहा है क्योंकि किसानों की पूरी तैयार फसल खेतों में बिना पानी झुलस कर जल रही है।

काश्तकार परसाराम बुगालिया ने बताया कि भीषण गर्मी का दौर चल रहा है वहीं बिजली संकट के चलते कई कई घंटों बिजली कटौती की जा रही है।

भीषण गर्मी और उमस में बिजली की बेतहाशा कटौती के चलते शहर से लेकर गांव तक लोग परेशान हैं। भीषण गर्मी में आम जनता बेहाल है वहीं दूसरी ओर इन दिनों किसानों के खेतों में प्याज की फसल पूरी तैयार होने की कगार पर खड़ी है लेकिन बिजली की कटौती के चलते फसलों को पर्याप्त पानी नहीं मिलने से किसानों के खेतों में प्याज की फसल बर्बाद हो रही है। किसानों के खेतों में उगने वाला प्याज इस बार किसानों की आंखों में आंसू ला रहा है।

उन्होंने बताया कि गोपालपुरा गांव के किसान हनुमाना राम पुत्र भागीरथ राम भंवरिया ने बिजली व्यवस्था के आगे विवश होकर अपने खेत में 5 बीघा प्याज की फसल पर ट्रैक्टर चला दिया क्योंकि पर्याप्त बिजली नहीं मिलने के चलते अपनी फसल को पूरा पानी नहीं दे पाया उससे उसकी फसल जलकर नष्ट हो गई इसलिए खेत में ट्रैक्टर चला कर उसने दूसरी फसल के लिए खेत खाली कर लिया और आगे की खेती के लिए तैयारी शुरू कर दी

मोबाइल में व्यस्त रहने के बजाय युवा किताबें पढनें पर ध्यान दें : एसडीएम

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। डेगाना शहर के चिल्ड्रन पार्क में नवनिर्मित लाईब्रेरी का शनिवार को उपखण्ड अधिकारी मुकेश चौधरी ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किताबें संस्कृति ओर ज्ञान का भंडार है। लोगो को धार्मिक, सामाजिक, ऐतिहासिक ओर सामान्य ज्ञान से संबधित पुस्तके आसानी से ओर सुलभ उपलब्ध हो इसके लिए आज इस लाईब्रेरी का शुभारंभ किया गया। एसडीएम चौधरी ने कहा कि आज की युवा पीढी को आह्वान किया की वह मोबाईल में व्यस्त रहने के बजाय अच्छी पुस्तकें पढने में अपना समय खर्च करें। बीसीएमओ डॉ. रामकिशोर सारण ने भी किताबों को अच्छा दोस्त बताया, जिनके द्वारा जीवन जीने का मार्ग दर्शन मिलता है। अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनी ने बताया कि लाईब्रेरी एसडीएम चौधरी की प्रेरणा ओर नगर पालिका डेगाना एवं भामाशाहों के सहयोग शहर के लोगो के लिए स्थापित की गई है।

स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने लोक अदालत का किया प्रचार-प्रसार

जुगल किशोर शर्मा

परबतसर(नागौर डेली न्यूज) : परबतसर शनिवार को ताल्लुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष हनुमान सहाय जाट अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या एक के निर्देशानुसार स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल परबतसर के विद्यार्थियों ने 14 मई 2022 को आयोजित होने वाली द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु रैली निकाली। संस्था प्रधान हरेंद्र डूडी के अनुसार रैली को विद्यालय परिसर से आरंभ किया गया जो कि गांधी सर्किल, बस स्टैण्ड से गुजरते हुए विद्यालय परिसर में वापिस पहुचें जहां समाप्त हुआ। छात्रों ने 'लोक अदालत जायेंगे, विवादों को सुलझाएंगे एवं लोक अदालत का यह नारा, दोनों जीते कोई न हारा' के माध्यम से जागृति फैलाई। इस अवसर पर संस्था के शिक्षक आर.एन. ज्यानी, लक्ष्मणराम काला, पी.के शर्मा, पी आर आचँरा, सुरेंद्र चौधरी सभी ने रैली में भाग लिया।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक सद्दाम द्वारा नेशनल प्रिंटर्स, लोहा मंडी, डीडवाना से मुद्रित तथा घाटी कुआँ, छीपा मोहल्ला, कुचामनसिटी, जिला नागौर (राज.) से प्रकाशित। मोबाइल नम्बर 7737211664 Email-nagaurdaily0@gmail.com